

कक्षा : सातवीं : गतिविधि

परिचय

पूरक पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	श्री कृष्ण और युधिष्ठिर
शीर्षक	प्रभावशाली व्यक्तित्व
समय	दो कालांश
प्रकार	व्यक्तिगत
विद्यार्थी-संख्या	एक
कौशल	वाचन, कल्पनात्मकता, सृजनात्मकता , स्मरण शक्ति
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़, कलम और कार्यपत्र

चरण:-

1.शैक्षिक अधिगम:-

- * विद्यार्थियों में कल्पनात्मकता, सृजनात्मकता, चिंतन-कौशल का विकास हो सकेगा।
- * विद्यार्थी अनुभव लेखन कला में निपुण हो सकेंगे।

2.अध्यापिका गतिविधि :-

- *अध्यापिका द्वारा सभी विद्यार्थियों को पाठ पढ़ने के लिए कहा जाएगा।
- * अध्यापिका प्रत्येक विद्यार्थी को इच्छानुसार पाठ्य-पुस्तक बाल महाभारत कथा के किसी एक पात्र का चयन करने को कहेंगी जिससे वो सबसे अधिक प्रभावित हुए। चयनित पात्र का प्रभाव कारण सहित लिखेंगे तत्पश्चात् कक्षा में मौखिक रूप में भी बताना होगा।
- *अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर मौखिक वाचन एवं लिखित प्रारूप का मूल्यांकन करेंगी।
- *अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी।

3. विद्यार्थी -गतिविधि:-

- * सभी विद्यार्थी अपने चयनित पात्र से जुड़े अपने विचार अपनी समझ, जागरूकता आदि के आधार पर बारी-बारी से प्रस्तुत करेगा।
- *सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे।
- *अंत में छात्राएं मूल्यांकन हेतु अपने कार्य का लिखित रूप अध्यापिका को देंगे।

4.मूल्यांकन के मानदंड:-

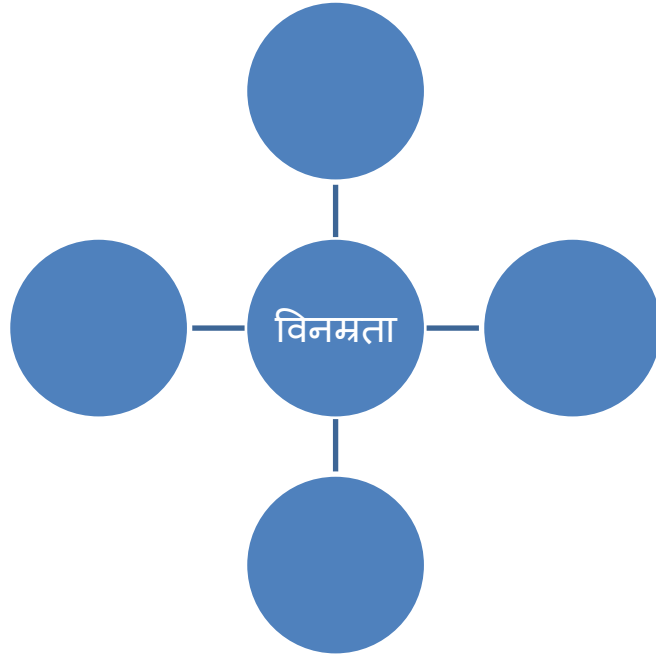
क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ : श्री कृष्ण और युधिष्ठिर
विद्यार्थी का नाम:

गतिविधि : प्रभावशाली व्यक्तित्व
अनुक्रमांक:

प्रश्न.1.व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाने में सहायक विशिष्टताएँ नीचे लिखी आकृतियों में लिखिए ।



प्रश्न.2.रामायण,महाभारत, भारतीय इतिहास तथा वर्तमानकाल में प्रभावी व्यक्तित्वों एवं उनकी विशिष्टताओं को दर्शाते हुए एक भित्ति चित्र बनाइए । यथा भीष्म पितामह अपनी दृढ़ प्रतिज्ञा के लिए, महात्मा बुद्ध अहिंसा के लिए ।

नमन